

महिसैवयिथा आयुग्मनी दीयनि
धत्सुवासः॥ ॥ गविचमनु
॥ उं यग सामाशावायु धिवीयग
सुद्धायवृहस्यग यगभरुगश्च
माविदश्च गभमायुनियश्चनी ॥ ॥
अथ गृष्णीनदधुविय ॥ वासुध
यालारुसि कगसमग ॥ कति
यावालसिललाठसम ॥ विश्च
यादं विलिसिनासिकासम ॥ य
थलारुः सर्वर्षी ॥ सिं सघानम
दभनमरुव मुकखालामदः
माल ॥ ॥ कुमारदंकावदधुग
कावयय ॥ उं यामिदधुयनाय
गदिरु गभिरुम्या ॥ गमरुयून
नादद आयुषवृक्ष गवसुव
वेसाय ॥ ॥ गगवागवियमनु
॥ उं यग यग गगवसुव वरुवा
ऊरुवामरु सरवा उं नुमूरुथ
॥ ॥ उरुनीयं कृष्णसारं त्वद्वा
यं वामरुदीस्य ॥ नूतुवद्वयना
ऊनस्य ॥ आरुगवृविश्चस्य ॥
यक्रायवीने समीकाय ॥ ॥
मिचकिसिनसूयकमनु ॥ उं
गवडयावगावर्गमदीयक्रस्य
नसूदा उरुकरुहिनधया
॥ ॥ लीडारुमीगुलिविय ॥
उं हिनधगवृः ॥ ॥ गीरानि

कैयनिविय ॥ उं रुईक (उरुई ॥
॥ ॥ कौगहारवालाईकास्य
वियमनु ॥ उं दीघीयुल्ला ॥ ॥
गारुउयविय ॥ उं स्वसिन
उा ॥ ॥ गमुऊल्लयायकडाल
विय ॥ उं समुईऊकासविलस्य
मक्षनानार्यगुनविश्चनविश्च
ना ॥ उं न्दायावडीवृवरा नना
चगी ॥ आयादवी निरुमारुवनु
॥ ॥ कृष्णगुलिवियमनु ॥ उं
यविगुल्ला ॥ ॥ सैगनि विरुयक
मनु ॥ उं वृक्षयक्राने ॥ उं उं दं
विष्णुः ॥ उं नमः गमुवायच ॥
वाक् ॥ उं सैयवृक्षसहया विः
निवविष्णुगगानिच सैयना
मसरुया नि निखाव न्धकना
मरुह ॥ ॥ गं गमृहिका क्रमा
वगवगवालेमनु ॥ उं वासुद
वाद्युनीकृष्ण विष्णु नानायगीरु
विचनगनामसुमृद्यार्थः घर्षय
निचमृहिका ॥ अथ कान्कन
थकान्क विष्णुकान्कवसुनेन
उरुगासिववाहन कृष्णनगग
वाक्रना ॥ मृहिकवृक्षदलाचः
काश्चय नाहिमनिगा मृहिक
कहनमयायं ऊनयादुर्गक
नी त्वयाहननयायन सर्वया

येऽयमनुक्तः ॥ गयधमः ॥ उंय
दयकः ॥ ॥ उंमूर्धिललाटक
एवददयकः ॥ यानपिवा
दुपाएवयवायि नारोपृष्ट
चदादगं ॥ ललाटकगर्ववि
द्यानानायगमः ॥ दत्रवमा
धर्वददयनायः ॥ गविन्दक
गुक्रयकः ॥ विष्णुदक्रिणक
एवलोचमधूमूदनं ॥ याग्व
दयोचवानाहं नारोचदगिविक्र
मं ॥ यमनारोपृष्टदः ॥ कक्रदा
मादनीरुवगानाचयर्गनासन्मू
र्धिलकस्यविधीयतः ॥ ॥
गिपूठसूत्रविद्यागं विन्दचनृ
यवः ॥ योऽः ॥ अर्द्धचन्द्रकुशुडा
गं गिलकस्यविधीयतः ॥ ॥
गुनृगकृमानस्यगिनसिद्धय
॥ उंअः ॥ गवगयगवर्गचविषं
गदसर्कगमनाधादमहंयत्र
वास्मिणास्मि ॥ ॥ गुनृगकृमा
जयालाहाथसलीखवियकृमा
नलधमहायः ॥ उंआयाहिष्ठा
मयाकुवसान् ॥ उंऊं दधगनः ॥
महर्गभयचक्रः ॥ भाः ॥ सली
खनहायधनः ॥ ॥ यूनवीयः ॥
उंथावः ॥ गिवगमानसः ॥ गस्य
राज्यगहनः ॥ उंगनीविवमा

गर्गः ॥ कृमानलधमहायः ॥ यून
॥ उंगमानं गमामहायस्यकृया
यजिनधः ॥ आयाजुनयधचनः ॥
हायलं खनमाः ॥ ३ ॥ ॥
आचार्यनलखवियः ॥ कृमानल
याकुलिनासूर्यार्धः ॥ ३ ॥ सूर्यम
दीकः ॥ कृमानलः ॥ उंउदयः ॥ ग
वदः ॥ गीदर्ववहंनिकगवः ॥ दः ॥
विष्णयसूर्यः ॥ १ ॥ उंविर्गदवाना
मृदगभदनीकचक्रमिगस्यवर्ग
स्याः ॥ गः ॥ आयाद्यावाष्टिबीम्
नविकः ॥ सूर्यः ॥ आत्मागगल्लु
वद्युः ॥ २ ॥ उंगवः ॥ देवहिर्गपूज
साकृकुमस्रवः ॥ यः ॥ मगनद
ः ॥ गनीजीवमगवदः ॥ गगः ॥ गृ
दयामगवदः ॥ गनीयवुवामगव
दः ॥ गनीमदीनाः ॥ गमगवदः ॥ ग
नीरुयः ॥ गगवदः ॥ गगाः ॥ सूर्यः
लेगनलखः ॥ ॥ ॥
गुनृगकृमानयाजववाकृसरवव
लानुः ॥ दावः ॥ गवनदः ॥ दयालं रु
नं ॥ उंममवर्गगददयदधमिम
मचिलमनूचिलगः ॥ सुः ॥ ममवाचं
मकमनाः ॥ रुवः ॥ रुहः ॥ गिल्लानि
यूनकुमः ॥ ॥ आचार्यनल
वलाहागः ॥ दावनामः ॥ गयवल
दनः ॥ उंकानासिः ॥ ॥ कृमानलः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अम
 कनामसामगमाहि ॥ ॥ आ
 चार्थिन ॥ ॐ कस्य वदन् चर्यसि ॥ ॥
 कुमानव ॥ ॐ रुवग ॥ ॥ गुन
 व ॥ ॐ अग्निना चार्थसि ॥ ॥ क
 मानव ॥ ॐ रुवग ॥ ॥ गुन
 व ॥ ॐ अग्निना चार्थसि ॥ ॥ क
 मानव ॥ ॐ रुवग ॥ ॥ आवा
 र्थिन कुमानव यो रुवलाहा धर्मा
 वयस्य ॥ ॐ रुवग ॥ यनिददा
 मि ॥ ॐ युजाय गय लाय विददा
 मि ॥ ॐ दवाय लास विनय विद
 दामि ॥ ॐ अहो बधीस्य ॥ य
 विददामि ॥ ॐ द्वावाय धिवी ला
 लाय विददामि ॥ ॐ विष्णुस्य
 लाय विददामि ॥ ॐ रुवग ॥ य
 विददामि ॥ ॐ सर्वस्य ला रुवग ॥
 य विददामि ॥ अग्निना चार्थसि ॥
 ॥ रुवग ॥ लक वासव लि विय
 ॥ रुवग ॥ गुन व ॥ ॥ कुमा
 नव वदन् अलियाय ॥ वदन् ॥
 आदिन ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

गुनस्य रुवलाहा धर्मा अग्नि
 मगुलदायकाव गुनस्य रुवविन
 खदग ॥ गुनस्य रुमानस्य रु

गनधियर्कग ॥ आवा र्थिन ॥ अग्नि
 दग समिधहामी ॥ उवयमननरु
 रुवदन् ॥ अग्निनाम ॥ ॐ समुद्र
 वाग्रय लाहा ॥ स्यायस्य ॥ च
 रुहमी ॥ सफ डिन्ना वदा रुमि ॥
 य रुवान् ॥ वदन्नायुगीन वद
 लाकपालयजायनि अहकल
 गनागय रुय रुगी ला लक्ष्मी
 लक्ष्मी ॥ अग्निनाम ॥ अग्निनाम ॥ कुमा
 नीवा अग्निनी दृता रुमि ॥ संगुव
 वदन्निधाय ॥ ॥ रुगा रुमि ॥

आवा र्थिपूजन ॥ ॐ दमा सनादिह
 लाय चन्दनय रुय वीन वृषदीय
 दक्षिण दान ॥ वीहियाय रुय ॥
 दृता रुमि कुमल सकल रुमि
 रुमि दला ॥ गिला रुमि ॥ ॥

थमगुनस्य रुमानव दगना क
 न ॥ आवा र्थिन लाय ॥ कुमानव
 सर्वगुवा ॥ समर्थ हिधाय ॥
 गुन व ॥ ॐ वदन् वदन् ॥ कुमा
 नव ॥ ॐ रुवानीनि ॥ ॐ आया
 सानं रु ॥ कुमानव ॥ ॐ आया
 सानीनि ॥ ॥ गुन ॥ ॐ आवा र्थि
 कर्म रु ॥ कुमानव ॥ ॐ कनवा
 नीनि ॥ ॥ गुन ॥ नादिवास्य ॥
 कुमानव ॥ नस्य रुमीनि ॥ ॥ गु
 न ॥ वाच्य रुमि ॥ कुमानव ॥ य

कामाणि ॥ गुन ॥ समिधमाधहि ॥
कुमाना ॥ आदधामि ॥ ॥ गुन ॥
नित्यस्नानीरुव ॥ कुमाना ॥ वारं ॥
गुन ॥ गिरीध्यायासनीकुरु ॥ कु
माना ॥ वारं ॥ ॥ गुन ॥ अग्निपू
जनीकुरु ॥ कुमाना ॥ वारं ॥ गुन
॥ मधुमासवर्जनीकुरु ॥ कुमाना
॥ वारं ॥ ॥ गुन ॥ अंगम्यागमन
वर्जनीकुरु ॥ कुमाना ॥ वारं ॥ ॥
गुन ॥ हेकचयकुरु ॥ कुमाना ॥
वारं ॥ ॥ गुन ॥ गुनगुणवर्ण
कुरु ॥ कुमाना ॥ वारं ॥ ॥ गुन ॥
नित्यदधुधनवर्णकुरु ॥ कुमाना
॥ वारं ॥ ॥ गुन ॥ वेदय० नीक
रु ॥ कुमाना ॥ वारं ॥ ॥ गुन ॥ या
वद्वाडयदमासंगावदुर्गववसि
॥ कुमाना ॥ वारं ॥ ॥ गुन ॥ स्नान
धनमगव ॥ ॥ गुन ॥ गुनरु
नडयानगुच्छगुनिवः यटादि
वर्जनीकुरु ॥ कुमाना ॥ वारं ॥
॥ ॥ गुन ॥ गुनरुनडच्चावना
हनीडच्चागवाक्कवर्जनीयक
रु ॥ कुमाना ॥ वारं ॥ ॥ गुन ॥
गयागयनमुगमनवर्जनी
य ॥ कुमाना ॥ वारं ॥ ॥ गुन
॥ अदलादानवर्जनीय ॥ कु
माना ॥ वारं ॥ ॥ ॥

गगायक्यायविनीकृष्णसनदीस
वीसाचकंग ॥ गुन ॥ अग्निगवन ॥
धनी ॥ ॐ रुद्रस्वाहा ॥ ॐ वृक्षयज्ञ
नी ॥ ॐ रुद्रस्वाहा ॥ ॐ रुद्रदिविष्
॥ ॐ रुद्रस्वाहा ॥ ॐ नमः ॥ गम्
वायव ॥ वृक्षोऽग्वनस्य ॥ ॥
गमयनीन ॥ ॥ आरु निश्वनस्य ॥ ॥

गुनयाग्निमाहमस्वनकुमाना अंग
॥ धनी ॥ अथमगुन ॥ ॥ आच
मनी ॥ न्यासकृत्वा ॥ ॐ यवादया ॥
अस्मायरुद्र ॥ ॐ गत्सविगुर्गु
ष्टाह्यी ॥ ॐ वनवर्धनर्जनीह्यी
॥ ॐ रुद्रोऽदिवमधुमाह्यी ॥
ॐ धीमही अनामिकाह्यी ॥ ॐ
धायायानः कनिष्ठाह्यी ॥ ॐ
यवादयाकलगलाह्यानमः ॥
ॐ गिकलन्यासः ॥ ॥ ॐ गत्स
विगुर्गुदयाय ॥ ॐ वनवर्धनि
नसस्वाहा ॥ ॐ रुद्रोऽदिव निखा
येवोषट् ॥ ॐ ह्यधीमहीकवचा
यद्रु ॥ ॐ धायायाननगुगयाय
वषट् ॥ ॐ यवादया ॥ अस्मायरु
द्र ॥ ॐ यद्रु न्यासः ॥ ॥ वद्रुग
यनीनकनीर्गन्यासन ॥ धनी
॥ यागयाम् ॥ ॐ रुद्रवक ॥ ॐ रु
वः पूनकी ॥ ॐ रुद्रकृष्णक ॥ ॥
ॐ रुद्रवः स्वगमयनीनमर्घ्यवाणा

पुनः ४ भाग कस्य नियमानुवकाम् ॥
गुनस्य ॥ यावद्वाप्यदमासगावत्मी
नतिष्ठ ॥ वद्वार्द ॥ ॥ गुन ॥ अ
धनयनीक ॥ वद्वार्द ॥ ॥ गुन
॥ पिनागमन्कालालवर्जितं कुरु
॥ वद्वार्द ॥ ॥ गुन ॥ कामादिन
वानुत्यगीगवादिशालिनकुर्या
॥ वद्वार्द ॥ ॥ गुन ॥ कामेन
गीते गीयति च वगीयते वा नम
तेन च गच्छेत् ॥ वद्वार्द ॥ ॥ गुन
॥ अयने कुरु मनकं यमानकर्वनग
च्छेत् ॥ वद्वार्द ॥ ॥ गुन ॥ नचध
केन दयोवकृतावकावाहुरुल
यनयलसीधिसर्थे वा विदुगस्वा
नविषसलीयनसूयवदनं ह
ध्यादित्ययकृताहेकनानिनक
य्या ॥ वद्वार्द ॥ ॥ गुन ॥ न
हवेस्वाहाहिकीजयतीति
नेर्वैषय्यावगावद्वद्वार्द
कृष्यामानमयहनादित्यय्या
त्माननावकृताकागलोमीदि
यु० सी० धर्तचनेवयहमेनचग
च्छेत् ॥ गद्विगीमिद्वान्मिद्वयात्म
कुलमिनिनकुलं रुग्मलमिनि
नकुरुगलमिनि कयालं ॥ वद्व
वार्द ॥ ॥ मलिधनुनिनिधुध
नूनिधुधनुग्मधियनीयनेस्मिना
वकीगावलायामनगदिगाया

हमाडसर्थेस्तिष्ठन्नमृगयुवावक
र्या ॥ वद्वार्द ॥ ॥ गुन ॥ स्वयं
यवालीर्षकाष्टनमूजीगविकृ
तिवसानाच्चादयीगद्वद्वार्द
धनः ४ स्यात्सर्वेन आत्मानं गमया
यत्सर्वं वामिगमिद्वार्द ॥ ॥
धनधनकाव ॥ ॥ ॥ ॥

सुखादुक्ति ॥ दग्धयादि ॥ गानिक
योधिक ॥ वाक्त्रगयुता ॥ ॥ दिन
युद्ध ॥ ॥ युद्धद्वीगि ॥ आर्ष
सा ॥ सुग ॥ ॥ सुगद्वयस्य ॥
अयगन्धदि ॥ ॥ निदिनयुद्ध
॥ धनधनकावयान ॥ ॥

ननः ४ सूर्यविक ॥ नगानिमव
न ॥ वद्वार्द ॥ अयनाद्गुर्ध्यायाचक
॥ ॥ पूर्वसंध्यासनकृतामध्या
द्गुहानकर्मणि ॥ अयनाद्गुहया
संध्यासूर्यनकृतावर्जिता ॥ ॥
गुनस्य महाशादनिनआद्वि
विय ॥ वद्वार्द ॥ आचार्ययाकृतसुग
यावअज्ञानिकर्मयाचक ॥ ॥
अयस्यवद्वार्द ॥ सुवद्वार्द ॥ सीमाकुरु
स्वाहा ॥ ॥ ॥ यथात्वमग्निः ४ सु
गवाअसिस्वाहा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
० सुवद्वार्द ॥ सीमावद्वार्द ॥ सीमाकुरु
॥ ॥ ॥ यथात्वमग्निः ४ दवानायिक
स्यानिधियाअसिस्वाहा ॥ ॥ ॥ ॥
महमनशास्त्रेवद्वार्द ॥ ॥ ॥ ॥

यास ० स्याहा ॥ आहुं अग्निं वयं क
॥ ५ ॥ सिंहाकादाय ॥ हुं अग्ने ॥
समिधमग्नि ॥ समिधशुदाय ॥ पू
र्वेवत् सिंहाकादाय ॥ हुं अग्ने ॥
सुष्टुवेति ॥ ॥ धनलित्ये ॥

संख्याद्वय ॥ दशमयादि ॥ गान्धि
कयेष्टिक ॥ ॥ वाङ्मयीयुक्ता ॥ ॥
यवधन्यादि ॥ वलियुक्ता ॥ निव
द्यदग्नये ॥ ॥ वाङ्मयीयुक्ता
कल्या ॥ वृगदीयवृत्तिका ॥ याप
विरुहाग ॥ ॥ वलिहवनर्ग ॥
दक्षिणदाने ॥ वृद्धागपूर्वुया
प्रदत्ता ॥ यवित्तमाचन ॥ संशु
यागन ॥ हुं पूर्वद्वीति ॥ पूर्व
॥ हुं आय्यायसेति ॥ आहंसा ॥
हुं मन्त्रार्थसंस्तुत्यादि ॥ रुय
मन्त्र ॥ हुं मृग्यदायस्यति ॥ ॥
हुं वृद्धागनमः ॥ हुं कर्वन्तुला
वृद्धागानिखिलरुनगुनः ॥ स
र्वगामुपवक्तालानाद्यामाल
कल्लितवकल्यहगादवव
वृद्धापीनदहनेककृगनय
वमनिरुगुनमन्त्रदाग्नमूर्ति
शिक्षानामादिदवावलवयन
चतुर्वृत्तसुनमा ॥ ॥ अथ
वा ॥ सग्नमदिमालकासुति ॥ अ
ग्नमन्त्रादि ॥ धनकावा ॥ आग्रावा
जगवद्वन ॥ पूर्ववत् ॥ हुं गार्ग्यमागे ॥

ASHA ARCHIVES

七 四

२३ शुभं नृणां निषदनं यत्तु यावत्समि
क्रिया। (न) रुज्जु किना सथयज्ञानवधपूज
॥ १४

अर्थयदासाधनकृत्वा ॥ अष्टा
दशसमिधहाम ॥ उपयमनह
सुवसुन ॥ पूर्वार्धावर्ण ॥ उरु
त्राधानर्ण ॥ मधुलार्धन ॥ सुम्भ
दिकुम्भकृत्वा ॥ ॥ अग्निमाना
म ॥ ॐ शंखाग्रयस्वाहा ॥ ॥ व
दाहनि यशुवान्धर्न ॥ ॥ ॐ
प्रजापतयस्वाहा ॥ ॐ देवप्रजाप
तय ॥ ॐ अग्नयसुष्टिकृतयस्वा
हा ॥ ॐ दमग्रयसुष्टिकृतय ॥
॥ ॥ वज्रायुषीनवदलाकया
लादिष्टनादुनिविय ॥ संश्वद्य
नयुषीननिधय ॥ यष्टनादुनिपू
र्ण ॥ ॥ गगनिल्लादुनि वज्रा
युषीनादिकल्लादिसमिधसह
यनिष्ठानकृत्वा ॥ निल्लादुनिपू
र्णगायत्राकर्म्मसु कृमात्रवालासा
लावयसुष्टिहासनयाखवसः
वसाचकस्वस्तिकसस्वन ॥ ॥
निर्मन्त्रनी ॥ ॐ वक्राहर्न ॥ वलि
॥ ॐ अश्ववाचद ॥ लेखनहाय ॥
ॐ सुस्तिनब्ध्या ॥ ॥ हामसका
सलेठकय ॥ धनिहायसूगमा
ल ॥ ॥ अभर्न ॥ आदुनि ॥ ॐ निव
नत्वायस्वाहा ॥ ॐ निवगत्वा
धियनयसदा निवाय ०० ॥ पू

ॐ ॥ ॐ नमः शंखाय ॥ ॥ ॐ
विद्यागत्वायस्वाहा ॥ ॐ विद्या
गत्वाधियायविष्णुव ०० ॥ ॐ
ॐ देविष्णु ॥ ॥ ॐ आत्मग
त्वायस्वाहा ॥ ॐ आत्मगत्वा
धियायवज्र ०० ॥ ॐ वज्र
यज्ञान ॥ ॐ गायत्री १०८ ॥ ॐ
रुद्रक ॥ ॐ हि ॥ ॐ पू ॥ ॥
वनुमधुलवायाहाहवनन ॥
यसुष्ट्याकाकलस्वसवा
दुल्लेखनहायमनु ॥ ॐ उष्ट्र
नवायुनूदकनष्टदिकगान
यति ॥ ॥ धकारवलेखनक
मानया ॥ वज्रनिसयलमनु
॥ ॐ सविगायसूगादियाश्रय
उदनगंगआगनू ॥ ॥ वसिष्ठ
नानसंखयमनु ॥ ॐ दीर्घाय
स्वाहा ॥ ॥ कुण्डविनिर्दिष्टासव
यमनु ॥ ॐ उष्ट्रवयायुस्वस्वधि
गममेनहाहे ०० ॥ ॐ वेष्टवृ
कारुवत्युष्ट्रदकि ॥ ॐ विनि
स्वथा ॥ अश्वलेखनवदामि ॥ याग्य
मपुक्रमवच ॥ सुवर्णमृदिका
म ॥ ॐ दक्षायसम निर्गम
॥ ॐ निरवास्तानः कृणकपुवि
धिसृगा ॥ वज्रधवधिगायुर्व
विष्णुनागकवनचगिनाहय

निवभ्रामि निखवद्व्यासदारुवे
 ॐ ॥ आरुणि ३ ॥ ॐ पृथीगत्वा
 यवद्व्यासदारु ॥ ॐ वद्व्यास
 न ॥ पृथीगुनिष्ठा ॥ उवदाणि
 स्वासधियशुवान ॥ ॥ पुनः
 काकलंखनयलमनुमिलि
 स्वास ॥ ॐ सविगुयसूगदद्यापू
 र्वव ॥ वसिवनानगोसखयम
 नु ॥ ॐ दीर्घायस्त्वा ॥ कृणविला
 केसिगोसखयमनु ॥ ॐ उवध
 गायपूवव ॥ ॥ आरुणि ३ ॥
 ॐ आयगत्वायविष्ववेस्वाहा ॥ ॐ
 ॐ दविष्व ॥ पृथीगुनिष्ठा मि
 लिस्वासधिय ॥ ॥ पुनः काक
 लंखनखवद्व्यासिस्थलमनु
 ॥ ॐ सविगुयसूगदद्या ॥ वृसि
 वलानसखयमनु ॥ ॐ दीर्घायि
 स्त्वा ॥ कृणवर्नगनगोसखयमनु
 ॥ ॐ उवधगायस्वस्व ॥ ॥ आरु
 नि ३ ॥ ॐ गङ्गत्वायनिवायस्वा
 हा ॥ ॐ नमः ॥ गङ्गायव ॥ पृथी
 युनिष्ठा शुवानखवद्व्यासि
 थिय ॥ ॥ पुनः काकलंखन
 वनकयालवासयलमनु ॥ ॐ
 सविगुयसूग ॥ वृसिवलानस
 खयमनु ॥ ॐ दीर्घायिस्त्वा ॥ कृ
 णवलसिगोसखयमनु ॥ ॐ उ
 वधगायस्वस्व ॥ आरुणि ३ ॥ ॐ

वायुगत्वायस्त्रीधनायस्वाहा ॥
 ॐ वयसामवग ॥ पृथीगुनिष्ठा
 पूर्वकयालवासशुवानत्वाय ॥ ॥
 पुनः काकलंखनचसयास
 हाय ॥ ॐ सविगुयसूग ॥ वृसि
 वलानसखय ॥ ॐ दीर्घायिस्त्वा
 ॥ कृणवलंशुगुतिगोसयाय
 मनु ॥ ॐ उवधगायस्वस्व ॥ आ
 रुणि ३ ॥ ॐ आकाशगत्वायसदा
 निवायस्वाहा ॥ ॐ निवानामासि
 ॥ पृथीगुनिष्ठा शुवानचसया
 सत्वाय ॥ ॥ गङ्गामागुनव
 डा ॥ मागुनायस्त्रीदमासनै ॥
 रुक्माद्यचन्दनादिवियावदकि
 णवलंखालडा य ॥ लिमिवास
 कृण ॥ यवगसासखिगधलि
 मिवचन्द्रमधुलहानाय निनी
 नकनकसिद्धयक ॥ ॥ गङ्ग
 वलायी ॥ ॐ कृणकर्तुसमूह
 रुमनु ॥ पुनानखानकदगम
 नु ॥ ॐ निवानामासिस्वविनिरु
 पिगानमरुगुमामाहि ॥ सी
 ॥ ॥ गोसधियमनु ॥ ॐ निवरु
 याम्यायूषनाद्याययजननाय
 वायस्यावायसूयडास्वायस
 वीर्थाय ॥ ॥ ॐ दनमनु ॥ ॥
 ॐ यनावयत्सविगाकृणवदसा
 मस्यवर्तिवर्गस्यविद्वान्

ननबुद्ध (मवयनदमस्यायुर्व
यवदष्टिर्द्यो धमसं॥ धनक (ध
दासं (ममयसंग॥ धनदक्षिण
या॥ ॥ पुनः श्वानदं दनमया
न॥ मनु॥ ॐ निवानामासि॥ पू
र्वक॥ ॥ संसथियमनु॥ ॐ
निवर्तयाम्यायुष॥ पूर्वक॥ ॥
वृद्धनमनु॥ ॐ गुणयुष॥ सं (म
मयसंग॥ धनयश्चिमया॥ ॥
पुनः श्वानदं दनमनु॥ ॐ नि
वानामासि॥ संसथियमनु॥
ॐ निवर्तयाम्यायुष॥ वृद्धन
मनु॥ ॐ यत्नविश्वनादिविज्ञा
कृष्टयश्च विस्तर्य ननगव
यामिबुद्ध (मजीवतवजीवना
यस्वस्त्य॥ सं (ममयसंग॥ ध
नदक्षिणया॥ ॥ पुनः श्वानदं
दनमनु॥ ॐ निवानामासि॥ सं
सथियमनु॥ ॐ निवर्तयाम्यायु
ष॥ वृद्धनमनु॥ ॐ गुणयुष॥
(ममयसंग॥ धनयुष्या॥ ॥
अथभाउसखालनढायकम
नु॥ ॐ यत्नवधमङ्गयनासुय
भवप्तावाचयनिकश्चन॥ वि
निनिनामास्यायुः शुभायी॥ ॥
अथद्रुसखनरुवनायायम
यानलमनुनमनु॥ ॐ कर्तुं

रुदसुमृद्धि मनु॥ ॥ नायिगपू
जा॥ नायिगयालाहानसत्वेगन
स्वस्तिकवायाव (धयूजायादा
वश्वानदक्षि (मवियमयान॥
ॐ अङ्गचयनिवद॥ ॥ नडन
संखाचक (निखावाहिकन (धा
वलाचमनव॥ ॐ मूर्धानदिवा
अनर्गियुधियावेष्टमनमृग
आज्ञागमन्नि॥ कविः संसाङ्गम
निधिः जनानामासनायापि न
यकदवा॥ ॥ कविः दक्षिणा
कविः निखा (कविः शुभिखा
॥ यवः सयानेयार्थ (धेदं न
॥ ॥ धनडनखदासं वृद्धमनु
लसगयावत॥ ॥ नडनद्रुस
खनक॥ ॐ रुद्रक (धुहिः ॥ द
क्षाम॥ ॐ स्वस्तिवाचनेय (०॥
धनकावनडमरुनचियक॥ ध
विवा (नयाव संसासवायक॥
वाङ्मलवामाङ्गयकाव (धन॥
थकादिनासं लासालावजाचार्य
याङ्गवसस्वस्तिकेसखने॥ मगरु
गङ्गावासगुणसदक्षयारुनद्रु
य॥ वमुदि अर्लकानदविय॥
ॐ वसाः यविर्ग॥ (मवाचनशी
खमुननिनालययग॥ ॥ गमा
वसचाकुरु विनीशानवृन्दकार

यावधनदाय॥ॐ हस्तिनामिमी
 ता॥ गगनचक्रानकावायक॥
 ॐ सरुशालिसरुमुसा॥ यासा
 दयिठिनिविय॥ ॐ युगायनन॥
 पुवाकर्वदावनचुय॥ चन्दनसि
 दूतसगुष्मगीर्वाण॥ ॥ अनिनि
 नदाय॥ ॐ नमः ११ रुवायच॥ ॥
 हासानमयक॥ ॐ गववाय॥
 चाक्रुतिनीग॥ ॐ वृहस्पतच
 दि॥ ॥ गिगलन॥ ११ धर्न॥ आ
 रुनि३॥ यू१॥ ॐ वक्रयज्ञान॥
 आरुनि३॥ ॐ देविष्टु३॥ आ
 रुनि३॥ ॐ नमः ११ रुवायच॥ ॥
 सायालशुवानदायमाल॥ स
 र्दआनधियुगिष्टा॥ ॐ मनारुनि॥
 गग११ सरुवा॥ रुनि॥ नाजाद॥ ११
 निकयोष्टिक॥ वाक्रायूजा॥ य
 वधन्यादि॥ वलियूजा॥ नवद
 दर्शन॥ यायष्टिरुहाम॥ वलि
 रुन१॥ दक्षिणादान॥ सगवया
 गन॥ ॥ गग११ सरुवा॥ ॐ दवा
 गा१॥ ॐ आयाय॥ आससा॥
 जायलाग॥ अगग११ दि॥ ॐ ग
 नूयाग्रसि॥ ॥ वक्रालखनअ
 हिषक॥ चन्दनादिसगुष्मगीर्वा
 ण॥ ॥ सरुवा॥ आनधियुगिष्टा॥ क
 लगजाय॥ वक्राक११ गयाग॥
 गावत्सप११ रुवाय॥ यद्राय

दिसि॥ धर्मिथकादि॥ कलगमि
 साधकादि॥ चामनमाकारकादि॥
 मन्त्राचार॥ वृणवेगकान॥ गी
 खनउ॥ श्रीलक्ष्मीकमग॥ ॥
 यद्रुविसर्जन॥ सूर्यगमि॥ व
 क्रुचुग११ सिमासगयाव॥ वक्राल
 खनलूय॥ यिवननकुमानचाद्रु
 रुयाव॥ धगुठिनअहिषककाय
 कयालाउनहायकावरुना॥ यि
 नायकाठहाय॥ देखायिखाष्टा
 य॥ कोमा॥ वीराक्रममात्र॥ वाक्र
 गरा११॥ यसादयिठिनि॥ अनि१
 नि॥ गगवृन्दका॥ आदिनधवरस
 दगुविद्रुसकहाय॥ यद्रुलिर्व
 गव॥ सगिक११ गव॥ यूजा११ ठि
 समयदयक११॥ कुमानवानद
 युनिस॥ आचुसननाहनक॥
 वृतिवृणक११ गव११ रुवाय॥

अथवद्रुकर्मववियाठिलिखन॥
 नकसक्रुमानयाकिवायूजायादा
 व॥ वक्राचक्र॥ वावनखयक
 दानदनक११ गगयतिवीठियूजा
 यादकयाय॥ थकादि११॥ यद्रु
 व॥ वक्राअष्टकलगनोगर्षयक
 यद्रुगी११ श्रीलक्ष्मी॥ यिनायक११ य
 सादयिठिनि॥ लसासि११ दकाय॥

द्युतिनान॥ वृद्धासदं धरु
मयम्क २ लं विकृति॥ यायालि
नवाचकं वृद्धाश्रुकलगादि॥

वृद्धाश्रुकलगादि॥ गङ्गा
श्रादेस॥ कृत्रियात्रकादगाव
॥ वृद्धाश्रुकलगादि॥ धनवर्ष
सुडयनयनरुना॥ ॥ ॥

दूसनकाश्रुकादि॥ यिदिसिआ
वायुधकादि॥ धकादिनकिनी
शादेगुलिनि॥ हामयायिवया
मालकासं॥ लुसियावक॥ ह्रा
ननित्यकआदिनधूनकाव॥ ॥

धकादि॥ ययादकयाय॥ कोमा
वायुका॥ माल॥ उं यरुमानाम
कल्लडयनयनां गमोस्तिर्वध
नसावित्रीयदानवदानं रुण
यनिमिरुकमायुदेकयाद
कहृदिग्राह॥ वाक्का॥ वायुका
यिनायनिमकुनवायमालरुना

आवायुसदसवयाचकयथ
विधिन॥ केमाला॥ ३॥ गगव
नकावायमाल॥ वाक्कायुजन
दक्षिणा॥ वाचनरुलेनअहि
वकाद्यागीवीद॥ सदेगाव
धियुगिहा॥ मासकठयावर्ल
सावकवडावकीमावासाअरु
सकायावगाउनगगवन्दका

धगभय॥ उं आदलवनगुदेव
वत्यादि॥ ॥ मामनमनवलव
क्रादिप्रयकं द्वियनिगण॥ ईस
नहाऊकवैकानं॥ वृवानिगनवा
कानावालावदन॥ धनइसन॥

सक्रिया॥ द्युतिगयक॥ प्राग्लान
दिनित्यकर्मकृत्वा॥ वृद्धाश्रुक
लगनागऊकयकृणीशीलम्मी
मालकावाय॥ वन्दमधुल॥ यि
नायकधुम्क २ मर्त्यधरु॥ अ
गिनीकाय॥ मर्त्यम्क २ दधन॥
रुशिनी॥ धसागोदलीसासुईका
यायादकयायमालधकादिन॥
अथआवाउर्यविधिध्ववृद्धाश्रु
नयाचकं॥ यधन्न॥ अश्रुकलग
धव२थायसग॥ नागयकयक
णीधव२थायसंश्चाय॥ शील
म्मीद्विसिहने॥ ॥ ॥

अथयरुमधुययायकलिसला
सालावलीखधनधसुस्वलिक
सर्वसावकंस्वैन॥ गिवयैन॥
निर्मोचुन॥ उं नकाहृणी॥ वलि
॥ २॥ अश्रुवावद॥ वाचक॥ अश्रु
पागलीखनहाय॥ उं स्वलिन
द्या॥ ॥ वृद्धादिस्नानमनक॥ ध
यदीयकाण॥ अश्रुगन्धदि॥ ॥
धसाचयदधुदवर्कवैठरुना

॥ ॥ पूजाधनकाव ॥ थकादिनिष्ठा
मनरुं गाठवासगुणनद्राय ॥ यू
वालिमि १ म्यागमासकालवकन
सगालाकाधनद्राय ॥ उं स्वस्ति
वाचनीय ॥ ०७ ॥ सूक्ष्मायधन ॥ च
कनगसगान ॥ उं काकुलाकु
ग ॥ मूर्द्धिललाटहस्तीद्विज्ञानो
यादोस्त्रिकमल ॥ यादामूर्द्धा
नैयनय ॥ मूर्द्धादियादानैस्त्रि
नि ॥ ३ ॥ ॥ धनसंकालन ॥ ३ ॥
सायदद ॥ उं दीघायुस्त्रि ॥ ॥ च
न्दनसिंदूरसगुणगोवादि ॥
सर्दुआनथियुनिष्ठा ॥ उं मनाहू
नि ॥ मासधृत्याचक ॥ कंसमला
सगालु २ मासलीखकुरुन
लाहोमास ॥ लासानयंदावस्त्र
स्त्रिकसर्पदावडवर्कनयावक
॥ नायिगपूजायादावखालक
लसदक्षिणकाय ॥ वन्दमधुल
सगयाव ॥ ॥ सीखाचकलसिया
चकभातकुर्यक ॥ अन्वमुन
नयकावर्गकमानवा ॥ धनसूक्त ॥

थकादिनीह्यलासालावयाक
लिसस्त्रस्त्रिकसर्पनदसावक
॥ निम्नकन ॥ उं नकारुण ॥ व
लि ॥ उं अथवाचद ॥ अथवा
गलीखनहाय ॥ उं स्वस्तिन

द्रा ॥ मनरुं गाठवासगुणनद्रा
य ॥ अथवागलीखनहाय ॥ क
मानवा ॥ वमुविय ॥ रुनिनि
कुर्य ॥ थकादिह्य ॥ उं गगान
मिन्दु ॥ चन्दनसिंदूरसगुणगो
वादि ॥ ॥ सगहृदकानका
खायक ॥ उं सरुशागिसरुस
सा ॥ ॥ यगदयिनिगवाववि
य ॥ उं यज्ञायगन ॥ वीदावनक
य ॥ ॥ अग्निनिनद्राय ॥ उं नम
३ गकुर्याच ॥ ॥ लासानमय
क ॥ उं गववाय ॥ सर्दुआनथि
युनिष्ठा ॥ उं मनाहू नि ॥ मास
धृत्याचकावलासालयन
कुरिनि ॥ थयसस्त्रस्त्रिकसस्त्र
न ॥ टायधन्त्रिरुनिनिवर्जिनक
कमान ॥ ययवाचककनैकस
॥ गगहृदकारुनिनिकाठया
वगवावसग ॥ धनरुनिनीकुर्य

अथगुनसिंहामयाय ॥ कृष्ण
कर्मेन ॥ ॥ यथा २ विधिमकुल
कलगावर्चन ॥ ॥ अथयदासा
धन ॥ ॥ डययमनकृष्णकाय ॥ अ
ग्निदगक्रियाययर्चनधनकाव
नगकृमानवानासवकावधका
दिनीह्यलीखधनयसालासा

लावत्यरुययकुलिदिग्भसया
 सावकस्वन ॥ खानमालाश्रादि
 र्यशुलीकानलग्नियकाव ॥ धन
 गुत्रस्यवसायावचान ॥ कुमार
 चानगुत्रमधुलयावक ॥ ॥ कु
 मान ॥ ॐ अद्यादि ॥ पुष्टरा
 जन ॥ ॐ यजमानवटाडयनय
 नाङ्गमोक्षिवन्धनसावित्रीयुद्ध
 नगुत्रमधुलार्चननिमित्तार्थ
 वाक् ॥ ॥ कुमार ॥ ॐ गुत्रम
 र्थ्यन्दमासर्न ॥ १ ॥ पुष्ट ॥
 पादार्थरुक्ताद्यचन्दनयज्ञाय
 वीग ॥ पुष्टधूपदीपादिरुक्ता ॥
 कनाशुलीवध ॥ ॐ अखधुम
 धुलाकावनि ॥ ॐ गुत्रवृक्षाधु
 नूर्विष्णुर्मुनूद्वामहृष्टनः
 गुत्रयोगगुप्तवागिगमिणीगुन
 वनमः ॥ अगमिधदि ॥ ॥ गुना
 यमधुलीकानय ॥ चन्दनाक
 नर्गिधदकेनरुमोर्ध्वय ॥
 ॐ मधुकटुमदनयूनिगासि
 वसन्धनगदावसमनाथयि
 सिचामिगन्धवानिध ॥ ॥ वाम
 कनार्चनरुक्तायमानचण्डलम
 धुलीकानय ॥ ॐ अग्निगाय
 विदीयनगन्धवानिसुलपिनी
 पूर्वजन्मकृत्तयाय ॥ इक्ष्वाकु

गैरुक्ता ॥ ॐ हजन्मकृत्तयाय ॥ इक्षि
 जन्मसूक्त ॥ गत्कृत्तयाय ॥
 ग ॥ जन्मजन्मानकनवृत्त ॥ कनयुष्ट
 शुलीकृत्ताजामयत्कनचंगसा
 अखधुमधुलाद्यैय ॥ गुना
 यविहिन्नया ॥ पुष्टविविध
 कालाजायगविविधकृत्ताग
 सर्वकृत्तागदवत्कृत्तागि
 सर्वदा ॥ ॥ यीगचूर्णनमधुली
 कानय ॥ इक्ष्वाकु ॥ पुष्टवा
 नययगायहाल ॥ पुष्टकनया
 वनगविधायचन ॥ १० ॥ द ॥ थ ॥
 ॥ इ ॥ थ ॥ ॥ द ॥ व ॥ न ॥ ॥ च ॥ न ॥ दि
 यज्ञायवीगयुष्टग ॥ अग्निदन्त
 ल ॥ ॥ न ॥ १० ॥ पुष्टनी ॥ ॥ ॐ ॥
 यनमः ॥ ॐ अग्रय ॥ १ ॥ यमाय
 ॥ ॐ नेर्मयाय ॥ १ ॥ वचनय
 ॥ ॐ वायव ॥ १ ॥ कुवलाय ॥
 ॐ वीगनाय ॥ १ ॥ अक्षय ॥ १ ॥
 उद्धाय ॥ १० ॥ वि ॥ थ ॥ ॥ ॐ अ
 दिनाय ॥ १ ॥ सामाय ॥ १ ॥ अग्नि
 नाय ॥ १ ॥ वधाय ॥ १ ॥ वृहस्प
 ताय ॥ १ ॥ शुक्राय ॥ १ ॥ गनेश
 य ॥ १ ॥ नाहव ॥ १ ॥ कनव ॥
 ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥